आदेश की कम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
27.03.2018	**न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, छत्तरपुर (पलामू)।** **आदेश** **विविध वाद संख्या–174/2017** **धारा 144 दण्ड प्रक्रिया संहिता** **अवधेश राम वगैरह ———— प्रथम पक्ष** **बनाम** **चँद्रमानी देवी वगैरह———————— द्वितीय पक्ष** यह प्रक्रिया आवेदक 1. अवधेश राम पिता– विदेशी राम 2. विदेशी राम पिता– स्व0 बुधन राम सभी ग्राम–कौवल, पो0 + थाना– नौडीहा बाजार, जिला– पलामू ने 1. चँद्रमानी देवी पति–युगेश्वर राम 2. युगेश्वर राम पिता– स्व0 बुधन राम 3. धर्मेंद्र राम पिता– युगेश्वर राम 4. देवरानी देवी पति– धर्मेंद्र राम 5. सुरेंद्र राम पिता– युगेश्वर राम 6. मुनीया देवी पति– सुरेंद्र राम 7. गुड्डू राम पिता– युगेश्वर राम 8. अनरवा देवी पति– गुड्डू राम 9. जितेंद्र राम पिता– युगेश्वर राम 10. कन्हाई राम पिता– युगेश्वर राम 11. रेशमी देवी पति– कन्हाई राम सभी ग्राम– कौवल, पो0 + थाना–नौडीहा बाजार जिला– पलामू के विरूद्ध धारा 144 दं0प्र0सं0 अंतर्गत कार्रवाई हेतु आवेदन पत्र दाखील किया। उक्त आवेदन पत्र के आलोक में थाना प्रभारी, नौडीहा बाजार से इस कार्यालय के ज्ञापांक 1708 दिनांक 30.12.2017 से जॉच प्रतिवेदन कि मांग की गई। थाना प्रभारी, नौडीहा बाजार ने अपने DR N0-02/18 दिनांक 06.01.2018 से जॉच प्रतिवेदन समर्पित	PNo-34 14-6-18

आदेश की कम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर
1	2

किया। जॉच प्रतिवेदन में विवाद को देखते हुए एवं शांति–व्यवस्था बनाये रखने हेतु धारा 144 दं0 प्र0 सं0 लगाने की अनुशंसा किया गया है। विवादी भूमि का विवरण निम्न प्रकार है– मौजा– कौवल, खाता सं0–17, प्लॅट सं0–171, रकबा–1.12½ एकड़, चौहद्दी, उतर–रामनंदन यादव, दक्षिण–राम किशुन यादव, पूरब–महाबीर महतो, पश्चिम–नीज विकेता का जमीन, के लिए विवादी भूमि के ऊपर धारा 144 दं0प्र0सं0 की प्रकिया कायम कर उभय पक्षों को विवादी भूमि पर जाने से रोक लगाते हुए कारण पृच्छा की मांग की गयी। उभय पक्ष न्यायालय में उपस्थि हुए एवं कारण पृच्छा दाखील किये।

प्रथम पक्ष के विज्ञ अधिवक्ता ने कारण पृच्छा के अनुरूप बहस करते हुए बताया कि विवादी भूमि मौजा– कौवल, खाता सं0–17, प्लॅट सं0–171, रकबा–1.12½ एकड़ भूमि प्रथम पक्ष को केवाला से प्राप्त है जिसका म्यूटेशन भी प्रथम पक्ष के विदेशी राम, पिता– बुधन राम के नाम से दर्ज है तथा उस पर प्रथम पक्ष का सुरू से आज तक शांतिपूर्वक दखल–कब्जा है। विवादी भूमि का सरकारी लगान रसीद प्रथम पक्ष के पक्ष में सुरू से आज तक कटते चला आ रहा है। विपक्षी उक्त भूमि को धन बल के जोर पर हड़पना चाहते हैं। उक्त भूमि में प्रथम पक्ष के द्वारा गेहूँ एवं अरहर आदि का फसल लगाया गया है तथा उक्त भूमि पर सुरू से आज तक प्रथम पक्ष का शांतिपूर्ण कब्जा रहा है।

द्वितीय पक्ष के विज्ञ अधिवक्ता ने कारण पृच्छा के

आदेश की कम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3

अनुरूप बहस करते हुए बताया कि द्वितीय पक्ष के विरूद्ध प्रारम्भ किया गया प्रकिया पूर्णतः गलत है। प्रकिया नोटिस मौजा कौवल के खाता सं0–17, प्लॉट सं0–171, रकबा–1.12½ एकड़ भूमि के ऊपर प्रकिया प्रारम्भ किया गया। प्रकिया भूमि का चौहद्दी नोटिस के अनुसार जवाब में दर्ज है। प्रकिया नोटिस का चौहद्दी गलत है क्योंकि दक्षिण में रामकिशुन यादव का नाम दिया गया है जबकी रामकिशुन यादव चौहद्दीदार नहीं है इसलिए यह वाद खारीज योग्य है, विपक्षी सं0–01 चँद्रमानी देवी, पति– युगेश्वर राम निबंधित विकय पत्र सं0–3866 दिनांक 08.04.1988 को रामदेव राम से कय किया था। चँद्रमानी देवी खरीदगी भूमि का संपूर्ण पैसा विकेता को दिया है और अपने नाम पर स्टाम्प कय किया है एवं शांतिपूर्वक दखल– कब्जे में है। ताइद को प्रभाव मे लेकर प्रथम पक्ष अपना नाम विकय पत्र में दर्ज करा लिया है जो गलत है। प्रथम पक्ष का दखल – कब्जा विवादि भूमि पर कभी भी नहीं रहा है। द्वितीय पक्ष का विवादी भूमि पर दखल – कब्जा सुरू से ही चला आ रहा है तथा विवादी भूमि पर विपक्षी का आवासीय मकान बना हुआ है। आवास, मकान पर यह प्रकिया चलाना न्यायसंगत नहीं है। अतः निर्गत नियम द्वितीय पक्ष के पक्ष में रिक्त किया जाय।

उभय पक्षों के विज्ञ अधिवक्ता का बहस सुना एवं उनके कारण पृच्छा तथा अभिलेख में संलग्न दस्तावेजों का अवलोकन किया। अवलोकन से स्पष्ट होता है कि वाद भमि का अंचल कार्यालय द्वारा निर्गत लगान रसीद उभय पक्ष का नाम दर्ज है ऐसी परिस्थिति में कोइ

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश कार्रवाई टिप्पणी सहित
1	2	

एकतर्फा आदेश पारित करना न्यायसंगत प्रतित नहीं होता है।

अतः इस वाद कि कार्रवाई समाप्त की जाती है।

लेखापित एवं संशोधित

अनुमण्डल दण्डाधिकारी,
छत्तरपुर (पलामू)।

अनुमण्डल दण्डाधिकारी,
छत्तरपुर (पलामू)।

Digitally signed by ASHISH GANGWAR
Date: 2025.01.28 16:26:04 +05:30
Location: 192.168.238.105